Semester-I

Course Name: Hindi Sahitya Ka Itihas

Course Code: BAHINMJ101

<table>
<tr><td>Course Type:
MAJOR
(Theoretical)</td><td colspan="2">Course Details: MJC-1</td><td colspan="2">L-T-P: 4-1-0</td></tr>
<tr><td rowspan="3">Credit: 5</td><td rowspan="3">Full Marks:
100</td><td colspan="2">CA Marks</td><td colspan="2">ESE Marks</td></tr>
<tr><td>Practical</td><td>Theoretical</td><td>Practical</td><td>Theoretical</td></tr>
<tr><td>……</td><td>30</td><td>……</td><td>70</td></tr>
</table>

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी 10वीं शताब्दी से अब तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विशेष रूप से साहित्यिक सन्दर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

2. हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरुप से परिचित हो सकेंगे

3. 11सौ वर्षों के हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

4. हिन्दी साहित्य के रचानाकारों और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

5. अपभ्रंश, राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी, अवधी,ब्रज भाषा,खड़ी बोली आदि के विकास को समझ पाने में समर्थ होंगे।

Content/ Syllabus:

<u>इकाई: एक</u>

साहित्येतिहासलेखनकीपरंपरा |

कालविभाजनऔरनामकरण |

<u>इकाई: दो</u>

आदिकालीनकाव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिकपृष्ठभूमि।

आदिकालीनसाहित्य : प्रमुखप्रवृत्तियाँ।

सिद्धसाहित्य, नाथसाहित्य, जैनसाहित्य, रासोकाव्य, लौकिककाव्य।

आदिकालीनगद्य : सामान्यपरिचय।

<u>इकाई: तीन</u>

भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिकतथासाहित्यिकपृष्ठभूमि, प्रमुखनिर्गुणकवि, प्रमुखसगुणकवि।

भक्तिकालकीप्रमुखप्रवृत्तियाँ।

भक्तिकालीनकाव्यकीविविधधाराएँ : निर्गुणकाव्यधारा(संतकाव्य, सूफीकाव्य), सगुणकाव्यधारा(रामभक्तिकाव्य,कृष्णभक्तिकाव्य) ।

<u>इकाई: चार</u>

रीतिकालकीसामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिकऔरसाहित्यिकपृष्ठभूमि।

रीतिकालकीप्रमुखप्रवृत्तियाँ।

रीतिकालीनकाव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्धएवंरीतिमुक्त।

इकाई : पाँच

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई : छः

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास
कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

1हिंदीसाहित्यकाइतिहास-रामचन्द्रशुक्ल, नागरीप्रचारिणीसभा, वाराणसी
2 हिंदीसाहित्य :उद्भवऔरविकास-आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयीदिल्ली
3 हिंदीसाहित्यकीभूमिका- आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयीदिल्ली
4 हिंदीसाहित्यकाआदिकाल- आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयीदिल्लीहिंदी
5 इतिहासऔरआलोचकदृष्टि- रामस्वरूपचतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद
6 हिंदीसाहित्यकाआधाइतिहास –सुमनराजे, भारतीयज्ञानपीठ, नयीदिल्ली
7 साहित्येतिहास :संरचनाऔरस्वरूप-सुमनराजे, ग्रंथमप्रकाशन, कानपुर
8 हिंदीसाहित्यकाइतिहास-सं०डॉ०नगेन्द्र, मयूरपेपरबुक्स,नोएडा
9 रीतिकाव्यकीभूमिका –डॉ०नगेन्द्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, नयीदिल्ली
10 हिंदीसाहित्यकादूसराइतिहास –बच्चनसिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद

11 हिंदीसाहित्यकाइतिहास- विजेंद्रस्नातक, साहित्यअकादेमी,नयीदिल्ली
12 साहित्यऔरइतिहासदृष्टि-मैनेजरपाण्डेय, वाणीप्रकाशन,नयीदिल्ली
13 हिंदीसाहित्यकाइतिहास-विश्वनाथत्रिपाठी, एन०सी०इ०आर०टी०. नयीदिल्ली
14 हिंदीगद्य :उद्भवऔरविकास- रामचन्द्रतिवारी, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी
15 हिंदीसाहित्यकाआलोचनात्मकइतिहास-रामकुमारवर्मा, हिन्दुस्तानीएकेडमी, इलाहाबाद
16. हिंदीसाहित्यकानयाइतिहास-रामखेलावनपाण्डेय, अनुपमप्रकाशन, पटना
17 साहित्यकाइतिहासदर्शन-नलिनविलोचनशर्मा, बिहारराष्ट्रभाषापरिषद्, पटना
18 हिंदीसाहित्यकावैज्ञानिकइतिहास-गणपतिचंद्रगुप्त,भारतेंदुभवन, चंडीगढ़
19हिंदीसाहित्यकासमेकितइतिहास-सं०डॉ०नगेन्द्र. हिंदीमाध्यमकार्यान्वयनिदेशालय, दिल्लीविश्वविद्यालय

Semester-I

Course Name: Hindi Sahitya Ka Itihas

Course Code: BAHINMNC101

Course Type: **MINOR (Theoretical)**	Course Details: **MNC-1**	L-T-P: **4-1-0**

Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी 10वीं शताब्दी से अब तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विशेष रूप से साहित्यिक सन्दर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

2. हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरुप से परिचित हो सकेंगे

3. 11सौ वर्षों के हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

4. हिन्दी साहित्य के रचानाकारों और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

5. अपभ्रंश, राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी, अवधी,ब्रज भाषा,खड़ी बोली आदि के विकास को समझ पाने में समर्थ होंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई: एक

साहित्येतिहासलेखनकीपरंपरा |

कालविभाजनऔरनामकरण |

इकाई: दो

आदिकालीनकाव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिकपृष्ठभूमि।

आदिकालीनसाहित्य : प्रमुखप्रवृत्तियाँ।

सिद्धसाहित्य, नाथसाहित्य, जैनसाहित्य, रासोकाव्य, लौकिककाव्य।

आदिकालीनगद्य : सामान्यपरिचय।

इकाई : तीन

भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिकतथासाहित्यिकपृष्ठभूमि, प्रमुखनिर्गुणकवि, प्रमुखसगुणकवि।

भक्तिकालकीप्रमुखप्रवृत्तियाँ।

भक्तिकालीनकाव्यकीविविधधाराएँ : निर्गुणकाव्यधारा(संतकाव्य, सूफीकाव्य), सगुणकाव्यधारा(रामभक्तिकाव्य,कृष्णभक्तिकाव्य) ।

इकाई: चार

रीतिकालकीसामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिकऔरसाहित्यिकपृष्ठभूमि।

रीतिकालकीप्रमुखप्रवृत्तियाँ।

रीतिकालीनकाव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्धएवंरीतिमुक्त।

इकाई : पाँच

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई : छः

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास
कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

<u>सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्रशुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी

2 हिंदीसाहित्य :उद्भवऔरविकास-आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयीदिल्ली

3 हिंदीसाहित्यकीभूमिका- आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयीदिल्ली

4 हिंदीसाहित्यकाआदिकाल- आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमलप्रकाशन, नयीदिल्लीहिंदी

5 इतिहासऔरआलोचकदृष्टि- रामस्वरूपचतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद

6 हिंदीसाहित्यकाआधाइतिहास –सुमनराजे, भारतीयज्ञानपीठ, नयीदिल्ली

7 साहित्येतिहास :संरचनाऔरस्वरूप-सुमनराजे, ग्रंथमप्रकाशन, कानपुर

8 हिंदीसाहित्यकाइतिहास-सं०डॉ०नगेन्द्र, मयूरपेपरबुक्स,नोएडा

9 रीतिकाव्यकीभूमिका –डॉ०नगेन्द्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, नयीदिल्ली

10 हिंदीसाहित्यकादूसराइतिहास –बच्चनसिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद

11 हिंदीसाहित्यकाइतिहास- विजेंद्रस्नातक, साहित्यअकादेमी,नयीदिल्ली

12 साहित्यऔरइतिहासदृष्टि-मैनेजरपाण्डेय, वाणीप्रकाशन,नयीदिल्ली

13 हिंदीसाहित्यकाइतिहास-विश्वनाथत्रिपाठी, एन०सी०इ०आर०टी०. नयीदिल्ली

14 हिंदीगद्य :उद्भवऔरविकास- रामचन्द्रतिवारी, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी

15 हिंदीसाहित्यकाआलोचनात्मकइतिहास-रामकुमारवर्मा, हिन्दुस्तानीएकेडमी, इलाहाबाद

16. हिंदीसाहित्यकानयाइतिहास-रामखेलावनपाण्डेय, अनुपमप्रकाशन, पटना

17 साहित्यकाइतिहासदर्शन-नलिनविलोचनशर्मा,
बिहारराष्ट्रभाषापरिषद्, पटना
18 हिंदीसाहित्यकावैज्ञानिकइतिहास-गणपतिचंद्रगुप्त,भारतेंदुभवन, चंडीगढ़
19हिंदीसाहित्यकासमेकितइतिहास-सं०डॉ०नगेन्द्र.
हिंदीमाध्यमकार्यान्वयनिदेशालय, दिल्लीविश्वविद्यालय

Semester-I

Course Name: Hindi Vyakaran Aur Sampreshan **(MIL COMMUNICATION)**

Course Code: **AECCH101**

Course Type: **AEC (Theoretical)**	Course Details: **AEC-1**			L-T-P: **4-0-0**	
Credit: **4**	Full Marks:	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical

	50	……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी हिन्दी व्याकरण की समझ विकसित कर सकेंगे।
2. हिन्दी भाषा के शुद्ध उच्चारण और लेखन में सक्षम हो सकेंगे।
3. हिन्दी भाषा की संप्रेषणीयता से परिचित हो सकेंगे।
4. हिन्दी में परिचर्चा करने और साक्षात्कार लेने की क्षमता का विकास होगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1:

काल, क्रिया,अव्यय एवं कारक का परिचय ।
उपसर्ग, प्रत्यय ,संधि तथा समास
इकाई-2 :
शब्द शुद्धि , वाक्य शुद्धि ,मुहावरे और लोकोक्तियाँ ।
पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द ,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,
पल्लवन और संक्षेपण ।

इकाई-3:

संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
संप्रेषण के प्रकार

इकाई- 4 :

अध्ययन, वाचन और चर्चा: प्रक्रिया और बोध
साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

<u>संदर्भ ग्रथ :</u>

संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार
हिन्दी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरु
हिन्दी व्याकरण –एन .सी .ई.आर. टी.
हिंदी व्याकरण शब्द और अर्थ—हरदेव बाहरी
रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम

Semester-I

Course Name: KARYALAYI HINDI

Course Code: BAHINSE101

Course Type: **SEC (Theoretical)**	Course Details: **SEC-1**		L-T-P: **2-1-0**	
Credit: **3**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. कार्यालयी हिन्दी के स्वरूप और प्रयोग क्षेत्र को जान सकेंगे।

2. प्रशासनिक पत्राचार के प्रारूप और उनके प्रयोग संदर्भों को समझ सकेंगे।
3. कार्यालयी हिन्दी में अनुवाद की भूमिका और आवश्यकता पर प्रकाश डाल सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1:कार्यालयी हिंदी : विविध स्वरूप

इकाई:2-प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना ।

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयीन अनुवाद ।

इकाई-4: कार्यालयी और साहित्यिक अनुवाद में अंतर, अनुवाद की समस्याएं ।

<u>संदर्भ ग्रंथ :</u>

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिंदी:सिद्धांत और प्रयोग– दंगल झाल्टे
3. हिंदी पत्रकारित और जनसंचार—ठाकुरदत्त आलोक
4. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
5. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी

Semester-II

Course Name: Aadikalin Evam Madhyakalin Kavya

Course Code: BAHINMJ201

<table>
<tr><td rowspan="2">Course Type:
MAJOR
(Theoretical)</td><td colspan="3" rowspan="2">Course Details: MJC-2</td><td colspan="2" rowspan="2">L-T-P: 4-1-0</td></tr>
<tr></tr>
<tr><td rowspan="3">Credit: 5</td><td rowspan="3">Full Marks:
100</td><td colspan="2">CA Marks</td><td colspan="2">ESE Marks</td></tr>
<tr><td>Practical</td><td>Theoretical</td><td>Practical</td><td>Theoretical</td></tr>
<tr><td>……</td><td>30</td><td>……</td><td>70</td></tr>
</table>

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

*1. विद्यार्थीहिंदीसाहित्य*केआदिकालऔरमध्यकालके *विकास, प्रवृत्तियों,*कविताओं *औररचनाकारोंकीजानकारीप्राप्तकरेंगे।*

2. विद्यार्थीइसमेंभारतीयकविताकेअस्तित्वऔरभक्तिकेतलकेक्लासिकलरूपकोजा नसकतेहैं।

3. विद्यार्थी आठ प्रतिनिध रचनाकारों की कुछ प्रमुख रचनाओं के पाठ को हृदयंगम कर सकेंगे।

4. आठ महत्वपूर्ण कवियों की रचनाओं की अंतर्वस्तु से परिचित हो सकेंगे।

5. भोजपुरी,मैथिली,अवधी,ब्रज भाषा की बानगियां विद्यार्थियों को यहां प्राप्त हो सकेगी।

6. हिन्दी की बोलियों की विविधता को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई : एक

विद्यापति (विद्यापति – शिवप्रसादसिंहसे **7 पद) :**

1.विदितादेविविदिताहो(1) **2**. नंदकनन्दन कदम्बेरितरुतरे(8) **3**. सुनरसिया, अबनबजाऊबिपिनबंसिया(9) **4**. सैसव-जौवनदुहुमिलिगेल, स्रवनकपथदुहुलाचनलेल(11) **5.** कोहमेसाँझकएकसरितारा(51) **6.** मधुपुरमोहनगेलरे, मोरा बिदरतछाती(54) **7.** सरसिजबिनुसरसरबिनुसरसिज(83)

इकाई: दो

कबीर (कबीरग्रंथावली –श्यामसुंदरदाससे **7** पद**)** : 1.संतोंभाईआईज्ञानकीआंधीरे(16) **2**.

चलनचलनसबकोईकहतहै, नजानेबैकुण्ठकहाँहै (24) **3**. पांडेकौंनकुमतितोहिलागी (39) **4**.

पंडितबादवदंतेझूठा (40) **5**.मायातजूंतजीनहींजाइ(84) **6**. मनरेतनकागदकापुतला(92) **7.**

हरिजननिमैंबालकतोरा(111) **.**

इकाई: तीन

तुलसीदास(कवितावलीके 'उत्तरकाण्ड' से **7 पद) :** -

1.मनोराजुकरतअकाजुभयोआजुलगि, चाहेचारुचीर, पैलहैनटूकुटाटको (66) **2**. ऊँचोमनु,ऊंचीरुचि, भागुनीचोनिपटही, लोकरीति-लायकन, लंगरलबारुहै (67) **3.**जातिके, सुजातिके, कुजातिकेपेटागिबसखाएटूकसबके, बिदितबातदुनींसो(71) **4.**किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,चाकर,चपलनट,चोर,चार, चेटकी(96), **5**. कुल-करतूति-भूति-कीरति-सरूप-गुन-जौबनजरतजुर, परैनकलकहीं(98) **6.**धूतकहौ, अवधूतकहौ, रजपूतुकहौ, जोलाहाकहौकोऊ (106), **7.**लालचीललातबिललातद्वार-द्वारदीन, बदनमलीन, मनमिटैनाबिसूरना (148)

इकाई: चार

सूरदास (सूरदाससटीक –धीरेन्द्रवर्मासे **7 पद) : 1.**अबिगत-गतिकछुकहतनआवै(विनयतथाभक्ति: 2) **2** . सिखवतिचलनजसोदामैया(गोकुललीला : 20) **3.**मुरलीतऊगुपालहिंभावति(गोकुललीला : 42) **4**. बुझतस्यामकौनतूगौरी(राधा-कृष्ण : 2) **5.**कोउब्रजबांचतनाहिंनपाती (उद्धव-सन्देश : 44) **6.**आएजोगसिखावनपांडे (उद्धव-सन्देश : 69) **7**. निरगुनकौनदेसकौबासी?(उद्धव-सन्देश : 77)

मीराबाई (मीराकाकाव्य-विश्वनाथत्रिपाठीसे **7** पद**) : 1.** आलीरीम्हारेणणाबाणपड़ी**2.**

म्हारांरीगिरिधरगोपालदूसराणाकूयां**3.**जोगियाजीनिसदिनजोवांथारीबाट **4.** को

बिरहिनीकोदुःखजांणैहो **5.** पतियांमैंकैसेलिखूं, लिख्योरीनजाय**6.** भजमनचरणकंवल

अवणासी 7**.**रामनामरसपीजैमनआं, रामनामरसपीजै

<u>इकाई: पांच</u>

बिहारी(<u>बिहारी-रत्नाकर : जगन्नाथदासरत्नाकर</u>से **15 दोहे) :**

1.बैठीरहीअतिसघनबन, पैठिसदन-तनमाँह(52)

2.कागदपरलिखतनबनत, कहतसंदेसुलजात(60)

3.याअनुरागीचित्तकीगतिसमुझैनहिंकोई(121) **4.** मोहन-मूरतिस्यामकीअतिअद्भुतगतिजोइ(161) **5.** बड़ेनहूजैगुननुबिनुबिरद-बड़ाईपाइ(191) **6.**तजितीरथहरिराधिके(201)

7.आड़ेदेआलेबसनजाड़ेहूंकीरात(283) **8.**सीस-मुकुट, कटि-काछनी, कर-मुरली, उर-माल (301) **9.**कोरिजातनकोऊकरू, परैनप्रकृतिहिंबीचु(341) **10.**लिखनबैठिजाकीसबीगहिगहिगरबगरूर(347) **11.**दुसहदुराजप्रजानुकौंक्यौंनबढ़ैदुःख-दंदु (357) **12.**दृगउरझत, टूटतकुटुम, जुरतचतुर-चितप्रीति(363) **13**. समैसमैसुन्दरसबै, रूपकुरूपुनकोई(432) **14**. बतरस-लालचलालकीमुरलीधरीलुकाइ (472) **15**. लटुआलौंप्रभ-करगहैंनिगुनीगुनलपटाइ(501)

घनानंद (<u>घनानंदकवित्त : विश्वनाथप्रसादमिश्र</u>से **7 पद)** : **1**. झलकैअतिसुन्दरआननगौर (2)

2.पहिलेंघन-आनंदसींचिसुजानकहींबतियाँअतिप्यारपगी (10)

3.तबतोछबिपीवतजीवतहै, अबसोचनलोचनजातजरे(13)

4.रावरेरूपकीरीतिअनूप, नयो-नयोलागतज्यौं-ज्यौंनिहारियै (15) **5**. अतिसूधोसनेहकोमारगहैजहाँनेकुसयानपबांकनहीं (82) **6**. घनआनंदप्यारेसुजानसुनौजिहिभांतिनहौंदुःख-सूलसहौं (88) **7**. पूरनप्रेमकोमंत्रमहापणजामधिसोधिसुधारिहैलेख्यौ (97)

इकाई: छ:

भूषण (स्वर्णमञ्जूषा–नलिनविलोचनशर्मा, केसरीकुमारसे **7 पद) : 1.** पावकतुल्यअमीतनकोभयो (1) **2**. जैजयति, जैआदि-सकतिजैकालि, कपर्दिनि(3) **3.**इंद्रजिमिजम्भपरबाडवज्यौंअंभपर(5) **4.**बासब-सेबिसरतबिक्रमकीकहाचली(11) **5.**मद-जलधरनदुरद-बलराजत(12) **6.**भुज-भुजगेसकीवैसंगिनीभुजंगिनी-सी (17) **7**. साजिचतुरंगबीर-रंगमेंतुरंगचढ़ि(20)

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. विद्यापति इलाहाबाद ,प्रकाशन लोकभारती ,सिंह शिवप्रसाद–
2. कबीर ग्रंथावली ,सभा प्रचारिणी नागिरी ,दास श्यामसुंदर ०सं–वाराणसी
3. सूरसागर सटीक -०सं–धीरेन्द्र वर्मा ,लिमिटेड ०प्रा भवन साहित्य , इलाहाबाद
4. कवितावली गोरखपुर ,प्रेस गीता ,तुलसीदास -
5. मीरा का काव्य दिल्ली नयी ,प्रकाशन वाणी ,त्रिपाठी विश्वनाथ ०सं -
6. बिहारी रत्नाकरजग -न्नाथ प्रसाद रत्नाकर ,प्रकाशन लोकभारती , इलाहाबाद
7. घनानंद ,सेंटर बुक संजय ,मिश्र प्रसाद विश्वनाथ ०सं– कवित्त-वाराणसी
8. स्वर्ण-मोतीलाल ;कुमार केसरी ,शर्मा विलोचन नलिन ०सं -मंजूषा-दिल्ली,दास बनारसी
9. कबीर दिल्ली ,प्रकाशन राजकमल ,द्विवेदी हजारीप्रसाद -
10. भक्तिकाव-्य यात्रा ,प्रकाशन लोकभारती ,चतुर्वेदी रामस्वरूप-इलाहाबाद

11. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि विनोद श्री ,सक्सेना प्रसाद द्वारिका - आगरा ,मंदिर पुस्तक
12. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य राजकमल ,पांडेय मैनजर - दिल्ली ,प्रकाशन
13. सूरदास वाराणसी ,सभा प्रचारिणी नागिरी ,शुक्ल रामचंद्र आचार्य–
14. गोस्वामी तुलसीदास ,सभा प्रचारिणी नागरी ,शुक्ल रामचंद्र आचार्य - वाराणसी
15. लोकवादी तुलसीदास नयी ,प्रकाशन राधाकृष्ण ,त्रिपाठी विश्वनाथ- दिल्ली
16. घनानंद दिल्ली नयी ,अकादेमी साहित्य ,राय लल्लन –
17. रीतिकाव्य की भूमिका नयी ,हाउस पब्लिशिंग नेशनल ,नगेन्द्र ०डॉ– दिल्ली
18. बिहारी वाराणसी ,सेंटर बुक संजय ,मिश्र प्रसाद विश्वनाथ-
19. महाकवि भूषण वाराणसी ,सेंटर बुक संजय ,मिश्र प्रसाद विश्वनाथ -
20. सूरदास दिल्ली नयी ,प्रकाशन राधाकृष्ण ,शर्मा हरवंशलाल ०सं–
21. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा लोकभारती ,गौड़ मनोहरलाल– इलाहाबाद ,प्रकाशन
22. महाकवि सूरदास ,प्रकाशन लोकभारती ,वाजपेयी नंददुलारे– इलाहबाद

सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Semester-II

Course Name: Aadikalin Evam Mahyakalin Kavya

Course Code: BAHINMNC201

Course Type:	Course Details: **MNC-2**	L-T-P: **4-1-0**

MINOR (Theoretical)					
Credit: **5**	Full Marks: **100**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**30**	……	**70**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

*1. विद्यार्थीहिंदीसाहित्य*केआदिकालऔरमध्यकालके*विकास, प्रवृत्तियों,*कविताओं*औररचनाकारोंकीजानकारीप्राप्तकरेंगे।*

2. विद्यार्थीइसमेंभारतीयकविताकेअस्तित्वऔरभक्तिकेतलकेक्लासिकलरूपकोजा नसकतेहैं।

3. विद्यार्थी आठ प्रतिनिध रचनाकारों की कुछ प्रमुख रचनाओं के पाठ को हृदयंगम कर सकेंगे।

4. आठ महत्वपूर्ण कवियों की रचनाओं की अंतर्वस्तु से परिचित हो सकेंगे।

5. भोजपुरी,मैथिली,अवधी,ब्रज भाषा की बानगियां विद्यार्थियों को यहां प्राप्त हो सकेगी।

6. हिन्दी की बोलियों की विविधता को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई : एक

विद्यापति (विद्यापति – शिवप्रसादसिंहसे **7 पद) :**

1.विदितादेविविदिताहो(1) **2**. नंदकनन्दन कदम्बेरितरुतरे(8) **3**. सुनरसिया, अबनबजाऊबिपिनबंसिया(9) **4**. सैसव-जौवनदुहुमिलिगेल, स्रवनकपथदुहुलाचनलेल(11) **5.** कोहमेसाँझकएकसरितारा(51) **6.** मधुपुरमोहनगेलरे, मोरा बिदरतछाती(54) **7.** सरसिजबिनुसरसरबिनुसरसिज(83)

इकाई: दो

कबीर (कबीरग्रंथावली –श्यामसुंदरदाससे **7** पद**)** : 1.संतोंभाईआईज्ञानकीआंधीरे(16) **2**. चलनचलनसबकोईकहतहै, नजानेबैकुण्ठकहाँहै (24) **3**. पांडेकौंनकुमतितोहिलागी (39) **4**. पंडितबादवदंतेझूठा (40) **5**.मायातजूंतजीनहींजाइ(84) **6**. मनरेतनकागदकापुतला(92) **7.** हरिजननिमैंबालकतोरा(111) **.**

इकाई: तीन

तुलसीदास(कवितावलीके 'उत्तरकाण्ड' से **7 पद) :** -

1.मनोराजुकरतअकाजुभयोआजुलगि, चाहेचारुचीर, पैलहैनटूकुटाटको (66) **2**. ऊँचोमनु,ऊंचीरुचि, भागुनीचोनिपटही, लोकरीति-लायकन, लंगरलबारुहै (67) **3.**जातिके, सुजातिके, कुजातिकेपेटागिबसखाएटूकसबके, बिदितबातदुनींसो(71) **4.**किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,चाकर,चपलनट,चोर,चार, चेटकी(96), **5**. कुल-करतूति-भूति-कीरति-सरूप-गुन-जौबनजरतजुर, परैनकलकहीं(98) **6.**धूतकहौ, अवधूतकहौ, रजपूतुकहौ, जोलाहाकहौकोऊ

(106), **7.**लालचीललातबिललातद्वार-द्वारदीन, बदनमलीन, मनमिटैनाबिसूरना (148)

इकाई: चार

सूरदास (सूरदाससटीक –धीरेन्द्रवर्मासे **7 पद) : 1.**अबिगत-गतिकछुकहतनआवै(विनयतथाभक्ति: 2) **2** . सिखवतिचलनजसोदामैया(गोकुललीला : 20) **3.**मुरलीतऊगुपालहिंभावति(गोकुललीला : 42) **4**. बुझतस्यामकौनतूगौरी(राधा-कृष्ण : 2) **5.**कोउब्रजबांचतनाहिंनपाती (उद्धव-सन्देश : 44) **6.**आएजोगसिखावनपांडे (उद्धव-सन्देश : 69) **7**. निरगुनकौनदेसकौबासी?(उद्धव-सन्देश : 77)

मीराबाई (मीराकाकाव्य-विश्वनाथत्रिपाठीसे **7** पद**) : 1.** आलीरीम्हारेणणाबाणपड़ी**2.** म्हारांरीगिरिधरगोपालदूसराणाकूयां**3.**जोगियाजीनिसदिनजोवांथारीबाट **4.** को बिरहिनीकोदुःखजांणैहो **5.** पतियांमैंकैसेलिखूं, लिख्योरीनजाय**6**. भजमनचरणकंवल अवणासी 7**.**रामनामरसपीजैमनआं, रामनामरसपीजै

इकाई: पांच

बिहारी(बिहारी-रत्नाकर : जगन्नाथदासरत्नाकरसे **15 दोहे) :**

1.बैठीरहीअतिसघनबन, पैठिसदन-तनमाँह(52)

2.कागदपरलिखतनबनत, कहतसंदेसुलजात(60)

3.याअनुरागीचित्तकीगतिसमुझैनहिंकोई(121) **4.** मोहन-मूरतिस्यामकीअतिअद्भुतगतिजोइ(161) **5.** बड़ेनहूजैगुननुबिनुबिरद-बड़ाईपाइ(191) **6.**तजितीरथहरिराधिके(201)

7.आड़ेदेआलेबसनजाड़ेहूंकीरात(283) **8.**सीस-मुकुट, कटि-काछनी, कर-मुरली, उर-माल (301) **9.**कोरिजातनकोऊकरू, परैनप्रकृतिहिंबीचु(341) **10.**लिखनबैठिजाकीसबीगहिगहिगरबगरूर(

347) **11.**दुसहदुराजप्रजानुकौंक्यौंनबढ़ैदुःख-दंदु (357) **12.**दृगउरझत, टूटतकुटुम, जुरतचतुर-चितप्रीति(363) **13**. समैसमैसुन्दरसबै, रूपकुरूपुनकोई(432) **14**. बतरस-लालचलालकीमुरलीधरीलुकाइ (472) **15**. लटुआलौंप्रभ-करगहैंनिगुनीगुनलपटाइ(501)

घनानंद (घनानंदकवित्त : विश्वनाथप्रसादमिश्रसे **7 पद)** : **1**. झलकैअतिसुन्दरआननगौर (2)

2.पहिलेंघन-आनंदसींचिसुजानकहींबतियाँअतिप्यारपगी (10)
3.तबतोछबिपीवतजीवतहै, अबसोचनलोचनजातजरे(13)
4.रावरेरूपकीरीतिअनूप, नयो-नयोलागतज्यौं-ज्यौंनिहारियै (15) **5**. अतिसूधोसनेहकोमारगहैजहाँनेकुसयानपबांकनहीं (82) **6**. घनआनंदप्यारेसुजानसुनौजिहिभांतिनहौंदुःख-सूलसहौं (88) **7**. पूरनप्रेमकोमंत्रमहापणजामधिसोधिसुधारिहैलेख्यौ (97)

इकाई: छ:

भूषण (स्वर्णमञ्जूषा–नलिनविलोचनशर्मा, केसरीकुमारसे **7 पद) : 1.** पावकतुल्यअमीतनकोभयो (1) **2**. जैजयति, जैआदि-सकतिजैकालि, कपर्दिनि(3) **3.**इंद्रजिमिजम्भपरबाडवज्यौंअंभपर(5) **4.**बासब-सेबिसरतबिक्रमकीकहाचली(11) **5.**मद-जलधरनदुरद-बलराजत(12) **6.**भुज-भुजगेसकीवैसंगिनीभुजंगिनी-सी (17) **7**. साजिचतुरंगबीर-रंगमेंतुरंगचढ़ि(20)

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. विद्यापति इलाहाबाद ,प्रकाशन लोकभारती ,सिंह शिवप्रसाद–
2. कबीर ग्रंथावली ,सभा प्रचारिणी नागिरी ,दास श्यामसुंदर ०सं– वाराणसी

3. सूरसागर सटीक -०सं–धीरेन्द्र वर्मा ,लिमिटेड ०प्रा भवन साहित्य , इलाहाबाद
4. कवितावली गोरखपुर ,प्रेस गीता ,तुलसीदास -
5. मीरा का काव्य दिल्ली नयी ,प्रकाशन वाणी ,त्रिपाठी विश्वनाथ ०सं -
6. बिहारी रत्नाकरजग -न्नाथ प्रसाद रत्नाकर ,प्रकाशन लोकभारती , इलाहाबाद
7. घनानंद ,सेंटर बुक संजय ,मिश्र प्रसाद विश्वनाथ ०सं– कवित्त- वाराणसी
8. स्वर्ण-मोतीलाल ;कुमार केसरी ,शर्मा विलोचन नलिन ०सं -मंजूषा- दिल्ली,दास बनारसी
9. कबीर दिल्ली ,प्रकाशन राजकमल ,द्विवेदी हजारीप्रसाद -
10. भक्तिकाव-्य यात्रा ,प्रकाशन लोकभारती ,चतुर्वेदी रामस्वरूप- इलाहाबाद
11. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि विनोद श्री ,सक्सेना प्रसाद द्वारिका - आगरा ,मंदिर पुस्तक
12. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य राजकमल ,पांडेय मैनजर - दिल्ली ,प्रकाशन
13. सूरदास वाराणसी ,सभा प्रचारिणी नागिरी ,शुक्ल रामचंद्र आचार्य–
14. गोस्वामी तुलसीदास ,सभा प्रचारिणी नागरी ,शुक्ल रामचंद्र आचार्य - वाराणसी
15. लोकवादी तुलसीदास नयी ,प्रकाशन राधाकृष्ण ,त्रिपाठी विश्वनाथ- दिल्ली
16. घनानंद दिल्ली नयी ,अकादेमी साहित्य ,राय लल्लन –
17. रीतिकाव्य की भूमिका नयी ,हाउस पब्लिशिंग नेशनल ,नगेन्द्र ०डॉ– दिल्ली
18. बिहारी वाराणसी ,सेंटर बुक संजय ,मिश्र प्रसाद विश्वनाथ-
19. महाकवि भूषण वाराणसी ,सेंटर बुक संजय ,मिश्र प्रसाद विश्वनाथ -
20. सूरदास दिल्ली नयी ,प्रकाशन राधाकृष्ण ,शर्मा हरवंशलाल ०सं–

21. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा लोकभारती ,गौड़ मनोहरलाल– इलाहाबाद ,प्रकाशन
22. महाकवि सूरदास ,प्रकाशन लोकभारती ,वाजपेयी नंददुलारे– इलाहबाद

सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Semester-II

Course Name: Patrakarita

Course Type: **(Theoretical)**	Course Details: **MDC-2**			L-T-P: **3-0-0**	
Credit: 3	**Full Marks: 50**	**CA Marks**		**ESE Marks**	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. कार्य करने की क्षमता का विकास विद्यार्थियों में होगा।
2. इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के विविध पक्षों की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
3. विद्यार्थी पत्रकारिता और सकेंगे समझ को बारीकियों की क्षेत्र पत्रकारिता. सकेंगे। कर कार्य सृजन में क्षेत्र

Content/ Syllabus:

इकाई1-. हिंदीपत्रकारिता का उद्भव और विकास ।

इकाई .2-प्रिंट माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँएवं उपलब्धियाँ ।

इकाई3-. इलेक्ट्रानिकमाध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ ।

इकाई4-.साहित्यिकपत्रकारिता एवं पीतपत्रकारिता |

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ- विनोद गोदरे

2. समाचार, फिचर लेखन और सम्पादन कला – हरिमोहन

3. समाचार संकलन और लेखन- नंदकिशोर त्रिखा

4. हिंदी पत्रकारिता का विकास – एन. सी.पंत

5. आधुनिक पत्रकारिता- अर्जुन तिवारी

6. लघु पत्रिकाएं और साहित्यिक पत्रकारिता – धर्मेंद्र गुप्त

7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधार-जगदीश्वर चतुर्वेदी

Semester-II

Course Name: Social Media

Course Code: BAHINSE201

Course Type: SEC **(Theoretical)**	Course Details: **SEC-2**	L-T-P: **2-1-0**

Credit: **3**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**15**	……	**35**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के विविध आयामों की समझ विकसित होगी।
2. विद्यार्थी मीडिया की निरंतर बदलती हिंदी भाषा से परिचित हो सकेंगे।
3. इंटरनेट के उपयोग को जान पाएगा ।

Content/ Syllabus:

इकाई-1 : इंटरनेट, विकीपीडिया, यू ट्यूब, फेसबुक

इकाई-2 : हिंदी वेबसाइट और ब्लॉग लेखन

इकाई-3 : सोशल मीडिया एवं वेब मीडिया : प्रभाव

इकाई-4 : ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, टिंडर

<u>संदर्भ ग्रंथ :</u>

1- मीडिया समग्र 11 खंड—जगदीश्वर चतुर्वेदी
2- इंटरनेट विज्ञान—नीति मेहता
3- जनसम्पर्क स्वरुप और सिद्धांत—डॉ. राजेंद्र प्रसाद